कंकड़ और लहर - आविष्कार और नवाचार

डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन

पहली बार बनाया गया उत्पाद आविष्कार कहलाता है। आविष्कार से बने उत्पादों से कुछ नया बनाना नवाचार कहलाता है। मगर नवाचार आविष्कार से कमतर नहीं होता।

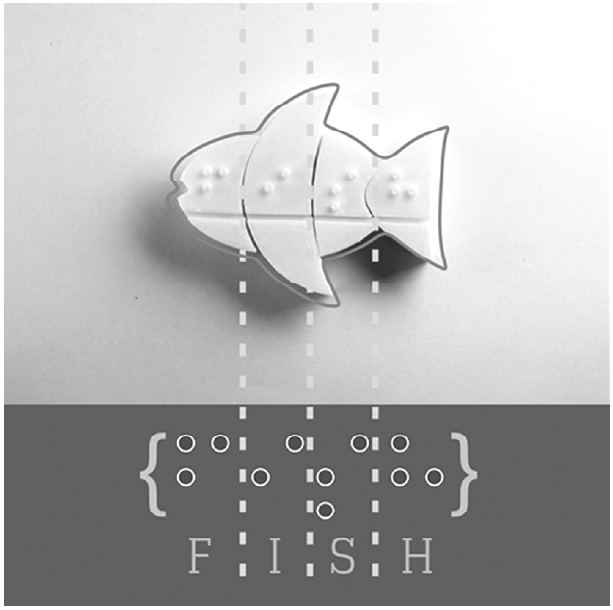

कुछ पाठक फिटल के बारे में और अधिक जानना चाहते थे। यह एक नवाचारी खेल यंत्र है जिसे एनआईडी, अहमदाबाद की तानिया जैन ने एलवी प्रसाद नेत्र अनुसंधान संस्थान के साथ मिलकर बनाया है। यह खेल यंत्र नेत्रहीन बच्चों (और युवाओं) को न सिर्फ आकारों को समझने में बल्कि उन पर लिखे ब्रैल शब्दों को समझने में भी मददगार है। बच्चे को जिग्सॉ पज़ल जैसे इस यंत्र के हिस्सों का सैट दिया जाता है और जब पज़ल सही फिट हो जाता है तब बच्चा उस यंत्र की सतह पर अपनी अंगुली फेरकर उस आकार के बारे में लिखे शब्दों को ब्रैल के ज़रिए पढ़ सकता है। यह ब्रैल और वस्तुओं के आकार दोनों को समझने का एक सुखद तरीका है। इसके बारे में और अधिक जानकारी http://globalaccessibilitynews.com/2014/02/03/3d-printing-puzzles-help-students-with-vision-disabilities-feel-the-words/ पर मिल सकती है।

कुछ लोग पूछते हैं कि फिटल एक आविष्कार है या नवाचार। जिग्सॉ पज़ल तो नई नहीं है। इसका अस्तित्व बाज़ार में तब से है जब तानिया पैदा भी नहीं हुई थी। और ब्रेल भी। लेकिन तानिया जैन का क्या विचार था। उनका विचार था कि नेत्रहीन व्यक्ति शब्द के साथ-साथ आकार भी सीखें और उन्होंने दो पहले से मौजूद अलग-अलग उत्पादों को मिलाकर एक नया उत्पाद बनाया। उन्होंने न तो ब्रेल का आविष्कार किया और न जिग्सॉ पज़ल का, लेकिन इन दो मौजूदा उत्पादों को जोड़कर एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनाया। यह नवाचार का उम्दा उदाहरण है।

यह आविष्कार क्यों नहीं है? क्योंकि आविष्कार, अपने शुद्ध भाव में, किसी उत्पाद को पहली बार बनाने या किसी प्रक्रिया को पहली बार लागू करने का नाम है। लुई ब्रेल ने पहली बार 'छूने और सीखने' की लिपि का आविष्कार किया था। इसी प्रकार से जिग्सॉ के टुकड़ों को जोड़कर आकार बनाने का विचार किसी को सदियों पहले आया था। मगर आविष्कार को सिर्फ इसलिए उच्चतर हैसियत देने का कोई कारण नहीं है कि आविष्कार उत्पाद को पहली बार बनाने से सम्बंधित है जबकि नवाचार पहले से मौजूद उत्पाद में सुधार करके नए उत्पाद के रूप में पेश किया जाता है। दोनों ही सृजनात्मक और सराहनीय हैं। लोग एप्पल के संस्थापक स्वर्गीय स्टीव जॉब्स को आईपॉड की वजह से असाधारण नवाचारी कहते हैं। वे थे भी। लेकिन याद कीजिए उन्होंने

क्या किया था। ऑनलाइन वीडियो एडिटिंग फर्म स्ट्रूम के सह-संस्थापक टूर ग्रेस्टी के अनुसार आईपॉड कोई पहला पोर्टेबल संगीत यंत्र नहीं था। सोनी कंपनी ने 1990 के दशक में वॉकमैन निकाला था और MP3 यंत्र भी बाज़ार में उपलब्ध था। एप्पल ने इन दोनों यंत्रों की डिज़ाइन को जोड़कर एक यंत्र बनाकर नवाचार किया जो इस्तेमाल में आसान है। यह नवाचार आसानी से इस्तेमाल में आने वाला उत्पाद है जो संगीत की खोज, प्रदाय और बजाने का यंत्र है।

यह भी याद रखें कि नवाचार के लिए पीएचडी की ज़रूरत नहीं और न ही उच्च-प्रशिक्षित इंजीनियर होने की। न तो स्टीव जॉब्स थे और न ही तानिया। गौरतलब है कि गर्मियों के मौसम में पूरे भारत में घरेलू कूलर का इस्तेमाल किया जाता है। इसे घर की खिड़कियों पर लगा दें तो कमरा ठंडा और अच्छा लगता है। इसको बनाने के पीछे कौन-सी चीज़ें थीं? ये चारों चीज़ें थीं पहले से उपलब्ध चार उत्पाद : एक एक्ज़ॉस्ट पंखा, सबमर्सिबल पानी का पंप, एक पहले से बनी हुई फ्रेम जिसमें खसखस घास के टट्टे लगाए जाते हैं और विद्युत सप्लाई।

आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर अनिल गुप्ता ने इस तरह के देशी नवाचारों की केवल लिस्ट ही नहीं बनाई है बल्कि ऐसे लोगों को मदद और समर्थन भी दिया है, और सृजनात्मक सोच के साथ बने नवाचारों और प्रशंसनीय कार्यों से हमें परिचित कराया है। इसे उन्होंने हनीबी नेटवर्क कहा है। इस सूची में आम आदमी द्वारा बनाए गए प्रशंसनीय नवाचारों को रखा गया है। इसमें मेरा पसंदीदा यंत्र एक साइकिल है जिसे बिहार के एक बुज़ुर्ग ने बनाया है। इस साइकिल में इनफ्लेटेबल रबर टायर ट्यूब हैं जो पानी पर आसानी से चल सकते हैं और वे इसका इस्तेमाल नदी के दूसरे किनारे रहने वाले अपने परिजनों से मिलने जाने के लिए करते हैं।

नवाचार की बुनियाद दरअसल जुगाड़ है और टैबलेट, आईपॉड या आईफोन इसके सर्वोच्च रूप हैं। नदी पार करने वाली साइकिल और इसी तरह के उत्पादों को जुगाड़ या काम-चलाऊ कहा जाता है तो सिर्फ इसलिए कि ये हाईटैक या कूल नहीं हैं। मगर कूलर लाखों की संख्या में बिकते हैं और आमदनी भी देते हैं। निजी पसंद के अनुरूप महंगे मॉडल भी हैं। उत्पाद को बेचने के लिए उसकी अच्छी पैकेजिंग भी महत्वपूर्ण है।

टूर ग्रेस्टी के मुताबिक "आप यह कैसे पता करेंगे कि आप आविष्कार कर रहे हैं या नवाचार? इस बात पर विचार करें - यदि आविष्कार तालाब में कंकड़ फेंकना है तो कंकड़ के कारण होने वाली हलचल नवाचार हैं। हलचल से लहरें बन सकती हैं। लहर देखने वाला उद्यमी है। कंकड़ आविष्कार है, लहर नवाचार है, नवाचार और लहर देखने वाला उद्यमी है। ***(स्रोत फीचर्स)***

स्रोत के ग्राहक बनें, बनाएं

वार्षिक सदस्यता

व्यक्तिगत 150 रुपए संस्थागत 300 रुपए

सदस्यता शुल्क एकलव्य, भोपाल के नाम ड्राफ्ट या मनीऑर्डर या मल्टीसिटी चेक से भेजें।

पता - ***ई-10,शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016***